प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–झांसी, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक– SPMU/NHM/RKSK/SS VISIT/21/2022-23/ 4523 दिनांक : 26.09.2022

विषय– दिनांक 22.08.2022 से दिनांक 26.08.2022 में राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण में पायी गयी कमियों को निस्तारित करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 के पत्र संख्या–SPMU/NHM/M&E/2022-23/2566-2 दिनांक 19.07.2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से राज्य स्तरीय दल द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के अर्न्तगत जनपद का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के अनुपालन में राज्य स्तरीय दल द्वारा दिनांक 22.08.2022 से दिनांक 26.08.2022 को जनपद झांसी का भ्रमण कर जनपद में संचालित स्वास्थ्य सेवाओं एवं वित्तीय व्यय की समीक्षा कर आख्या उपलब्ध करायी गयी है।

उपरोक्त आख्या इस पत्र के साथ संलग्न कर आपको इस निर्देश के साथ प्रेषित है कि भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों को यथाशीघ्र निस्तारित कराते हुए बिन्दुवार अनुपालन आख्या/कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को हार्ड एवं साफ्ट कापी प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक–भ्रमण आख्या।

भवदीया,

Aparna. U.

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक– **SPMU/NHM/RKSK/SS VISIT/21/2022-23/** तद्दिनांक।

प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. **अपर मिशन निदेशक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. **महानिदेशक,** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, उ0प्र0, लखनऊ।
3. **महानिदेशक,** परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ।
4. **मण्डलायुक्त,** झांसी मण्डल, झांसी, उ0प्र0।
5. **जिलाधिकारी/अध्यक्ष,** जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– झांसी ।
6. **अपर निदेशक,** चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मण्डल झांसी।
7. **समस्त महाप्रबंधक,** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रमों से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
8. **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका,** जिला पुरूष/महिला चिकित्सालय जनपद– झांसी ।
9. **जिला कार्यक्रम प्रबंधक,** एन0एच0एम0 जनपद– झांसी को इस निर्देश के साथ कि आख्या का अनुपालन कराते हुए कृत कार्यवाही की प्रगति–रिपोर्ट प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डा0 आनन्द अग्रवाल)
नोडल अधिकारी– झांसी

सहयोगात्मक पर्यवेक्षण भ्रमण आख्या
जनपद–झांसी

मिशन निदेशक महोदया, एन0एच0एम0 उ0प्र0 के निर्देशों के क्रम में डा0 आनन्द कुमार अग्रवाल, उपमहाप्रबंधक– आर0के0एस0के0 एवं श्री धर्मेन्द्र कुमार साहू, कसंल्टेंट आई.ई.सी. द्वारा दिनांक 22 से 26 अगस्त, 2022 के मध्य जनपद झांसी का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान डी.ई.आई.सी. मैनेजर एवं अर्बन हेल्थ कोआर्डिनेटर का सहयोग रहा। भ्रमण के दौरान निम्न इकाईयों का अनुश्रवण एवं अवलोकन किया गया।

1. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिरगांव
2. प्राथमिक विद्यालय, भटपुरा
3. आंगनवाडी केन्द्र, भटपुरा
4. हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर–
5. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, नगरा
6. यू.एच.एन.डी., नगरा
7. आंगनवाडी केन्द्र, नैनागढ
8. जिला महिला चिकित्सालय, झांसी
9. सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोठ
10. पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रेव
11. आंगनवाडी केन्द्र, रेव

भ्रमण आख्या के मुख्य बिन्दु निम्नवत् है–

- आर.बी.एस.के. वाहनों का टेण्डर मात्र दो सप्ताह पूर्व किया गया है। अतः इससे पहले टीमों द्वारा भ्रमण नहीं किया जा रहा था।
- आर.बी.एस.के टीम के कई सदस्यों को जनपद स्तर पर अन्य गतिविधियों में सम्बद्ध किया गया था, जिनको चरणबद्ध तरीके से मूल तैनाती पर वापस भेजा जा रहा है।
- भ्रमण की गयी ईकाईयों में किसी भी टीम के पास परीक्षण सम्बंधित उपकरण जैसे– एम.यू.ए.सी. टेप, विजन चार्ट, टॉर्च, खिलौने, घण्टी इत्यादि नहीं पाये गये।
- किसी भी आर.बी.एस.के टीम द्वारा विफ्स कार्यक्रम का अनुश्रवण नहीं किया जा रहा है।
- ब्लाक चिरगांव में गत् 04 माह के दौरान लगभग 07 लाख आयरन की नीली गोलियों की आपूर्ति बी.ई.ओ. कार्यालय में की गयी है, जबकि भ्रमण किये गये विद्यालयों एवं आंगनवाडी केन्द्रों पर आयरन की नीली गोलियां नहीं पायी गयी।
- ब्लाक से विफ्स रिपोर्ट प्रेषित नहीं की जा रही है।
- ब्लाक चिरगांव में आर.बी.एस.के टीम के 06 चिकित्सा अधिकारी कार्यरत् हैं, जबकि नियमतः 04 चिकित्सा अधिकारी अनुमोदित हैं।
- मोबाईल हेल्थ टीम द्वारा मुवमेंट रजिस्टर नहीं भरा जा रहा है।
- टीमें भ्रमण के लिए विलम्ब से निकलती हैं।
- टीमें माइक्रोप्लॉन के अनुसार भ्रमण नहीं कर रही हैं।
- ब्लाक चिरगांव में चिकित्सा अधिकारी डा0 रूचि गुप्ता गत् दो वर्षों से बिना सूचना अनुपस्थित चल रही हैं।
- ब्लाक चिरगांव के ई.एम.ओ. डा0 जादौन कक्ष बंद करके मदिरा पान कर रहे थे। दरवाजा खुलवाने पर कक्ष में गन्दगी एवं मदिरा की दुर्गन्ध थी, बेड पर चादर, गद्दे, गीले थे। स्टाफ शौचालय बहुत ही गन्दा था।

- पी.एन.सी. वार्ड में टी0वी0 की व्यवस्था नहीं थी, जिसके कारण आई0ई0सी0 से सम्बन्धित विडिओ का डिस्प्ले नहीं किया जा रहा था।
- कलर कोडिड डस्ट बिन के उपयोग तथा बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण उचित तरीके से निस्तारित करने के बारे में जानकारी दी गयी।
- रेडियन्ट वार्मर हेतु लागबुक नही तैयार किया गया है। जिसके कारण यह पता करना मुश्किल है कि कितने बच्चों हेतु/कितने समय के लिए रेडियन्ट वार्मर का उपयोग किया गया है।
- ऑक्सीजन सिलेण्डर के उपयोगार्थ लागबुक नही बनाई गई है।
- बी0पी0एम0यू0 यूनिट में सभी कार्यक्रम से सम्बन्धित फाईलें तथा रिकार्ड आदि सही तरीके से नहीं तैयार की गई है। ब्लाक चिरगांव मे बी.पी.एम. के अवकाश पर होने के कारण विभिन्न गतिविधियों व कार्यक्रमों की मासिक व त्रैमासिक रिपोर्ट मांगे जाने पर नहीं मिल सकी।
- इमरजेंसी कक्ष में किसी भी तरह की आई.ई.सी. का प्रदर्शन नही किया गया।
- ब्लाक चिरगांव में अधीक्षक का कक्ष, ए.एन.सी. परीक्षण कक्ष एवं महत्वपूर्ण ओ.पी.डी. प्रथम तल पर स्थापित किये गये हैं, जबकि भूतल पर कई कक्ष स्टोर के रूप में बंद पाये गये। अधीक्षक द्वारा शीघ्र ही उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया।
- ब्लाक चिरगांव में कार्यरत् ए.एन.एम. सीमा यादव को अपने कार्य से सम्बधित किसी भी गतिविधि की कोई जानकारी नहीं थी और न ही मौके पर कोई रिकार्ड प्रस्तुत किया गया।
- ब्लाक चिरगांव में आर.के.एस. का पंजीकरण कालातीत हो चुका है। आर.के.एस. रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं था।
- ब्लाक की समस्त मासिक रिपोंटों पर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के स्थान पर बी.पी.एम. के हस्ताक्षर पाये गये। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को इस सम्बंध में कोई भी जानकारी नही थी। कई रिपोर्ट रिकार्ड के मुताबिक गलत पायी गयी।
- जे.एस.एस.के. अन्तर्गत पिछले माह तक प्रसूताओं को भोजन नहीं दिया जा रहा था। उसके बावजूद गत् माह के रिपोर्ट में भोजन दिया जाना रिपोर्ट किया गया है।
- लेबर रूम में उपकरणो के स्ट्रेलाईजेशन का कोई भी रिकार्ड उपलब्ध नहीं था।
- डेली मेडिसिन खर्च रजिस्टर अपडेट नहीं था।
- ए0एन0सी0 रजिस्टर में एच0आर0पी0 का चिन्हीकरण नहीं किया जा रहा था।
- सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का कोई विवरण व रिकार्ड प्राप्त नहीं हुआ। बीसीपीएम/बी0पी0एम0 द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण हेतु प्लान नहीं बनाया ता रहा है। और न ही उनके द्वारा भ्रमण करने का कोई रिकार्ड प्राप्त हुआ है।
- आशा का वी0एच0आई0आर0 रजिस्टर अपूर्ण था व लाभार्थियों को मिलने वाली सेवाओं का विवरण नही भरा गया है। तथा आशा का रिकार्ड अपडेट नहीं था।
- आंगनबाड़ी केन्द्र पर बच्चों का ग्रेड चार्ट नहीं भरा जा रहा है। गम्भीर कुपोषित बच्चों का फालोअप एवं सन्दर्भन ए0एन0एम0 एवं आंगनबाड़ी द्वारा नही किया गया है। पोषाहार वितरण सम्बन्धी अभिलेख कार्यकर्ती द्वारा नहीं दिखाया जा सका।

राज्य स्तरीय टीम द्वारा भ्रमण के द्वितीय दिन समस्त ब्लाक के आर0बी0एस0के0 टीम के सदस्यों तथा किशोर स्वास्थ्य काउसलर के साथ कार्यक्रम नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में आगामी वर्ष के लिए कार्ययोजना एवं पिछले 2 वर्ष के दौरान हुई कार्य हानि पर विस्तृत चर्चा हुई। भ्रमण के अन्तिम दिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भेंट कर फीडबैक दिया गया। बैठक के दौरान डिप्टी सी0एम0ओ0 एवं डी0ई0आई0सी0 मैनेजर उपस्थित थे। बैठक में निम्न सुझाव दिये गए :-

1. जनपद मे कुल आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय को बढ़ाने हेतु एवं प्रस्तावित गतिविधियों को तत्काल पूर्ण कराने का सुझाव दिया गया।
2. एच0एम0आई0एस0 तथा यू0पी0 एच0एम0आई0एस0 के ऑकडों की नियमित समीक्षा तथा वैलिडेशन प्रत्येक स्तर पर किया जाए।
3. प्रत्येक माह ब्लाक स्तर पर अधिकारियों के साथ भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा की जाये व आगामी माह हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में निर्देशित किया जाय।
4. समस्त बी0पी0एम0यू0 टीम का दिशानिर्देशो के अनुरूप एडवान्स टूअर प्लान बनाया जाये। जिसे मासिक रूप पर जनपद स्तर पर काम्पाईल किया जाये व डी0पी0एम0यू0 स्तर पर अधिकारियों का भ्रमण प्लान बनाया जाये। माह के अन्त में माह मे की गई भ्रमण की प्रगति रिपोर्ट कम्पाईल की जाये व उन पर आवश्यक कार्यवाही की जानी चाहिए।
5. जनपद के जिन विद्यालयों/इण्टर कालेजों/आंगनबाडी केन्द्रो में विफ्स/निपी रजिस्टर, कार्ड, पोस्टर आयरन की गोलियां अभी तक नहीं भेजी गई है। उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु सुझाव दिया गया।
6. आर0बी0एस0के0 टीमों द्वारा माइक्रोप्लान के अनुसार सत्र करने एवं बफर स्टाक के रूप में आयरन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव दिया गया।
7. भ्रमण के दौरान पाई गई कमियों के बारे में सम्बन्धित को अवगत कराते हुए सुधारात्मक कार्यवाही अगले भ्रमण से पूर्व किये जाने का अनुरोध किया गया जिसपर मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

धर्मेन्द्र कुमार साहू
कन्सलटेन्ट
आई0ई0सी0

डा0 आनन्द कुमार अग्रवाल
उपमहाप्रबन्धक
आर0के0एस0के0